''जिम्पी-जिम्पी'' पौधा, जिसका वैज्ञानिक नाम है ''डैनड्रॉक्नाइड मोरॉइड्स।'' डैन्ड्रॉक्नाइड शब्द प्राचीन यूनानी शब्दों, डैन्ड्रॉन, जिसका अर्थ है पेड़, एवं कैनाइड, जिसका अर्थ है ''स्टिंगिंग नीडल'' से लिया गया है। नर्म और हृदय के आकार की पत्तियों वाले इस पौधे को ऑस्ट्रेलिया का सबसे विषैला पौधा माना जाता है। इसकी पत्तियों पर हजारों छोटे-छोटे रोएं जैसे कांटे होते हैं जिनमें विष भरा होता है, अगर ये किसी को चुभ जाएं तो कई हफ्तों तक दर्द होता है। वनस्पति विज्ञानी मारियाना हर्ली, जिन्होंने तीन साल तक क्वीन्सलैंड के वर्षावनों में इस पौधे का अध्ययन किया, बताती हैं कि, इसका कांटा लगने से तेजाब से जलने और करंट लगने जैसा दर्द होता है। अध्ययन के दौरान हर्ली को कई बार कांटे चुभे, जबकि वे सुरक्षा के लिए दस्ताने पहनती थीं और मास्क लगाती थीं। एक बार तो उन्हें अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा। ये पौधे ईस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में केप यॉर्क प्रायद्वीप से नॉर्दर्न -न्यू साउथवेल्स तक के वर्षावनों में मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया में स्टिंगिंग वृक्षों की 6 प्रजातियां मिलती हैं और इनमें जिम्पी-जिम्पी सर्वाधिक वीभत्स है। पूरे पेड़ पर छोटे-छोटे कांटे जैसे रोएँ होते हैं जो नुकीले और खोखले होते हैं और संपर्क में आने पर टूट जाते हैं, जिससे इनमें भरा विष व्यक्ति के ऊत्तकों में चला जाता है। इन कांटों को त्वचा से हटाना मुश्किल होता है और जब तक ये त्वचा पर रहते हैं विष छोड़ते रहते हैं। प्रभावित क्षेत्र में बहुत तेज दर्द होता है तथा पानी लगने या तापमान कम होने पर दर्द और बढ़ जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि, इनकी सूखी पत्तियों में भी विष होता है। सबसे बुरी बात यह है कि, जैसे बिल्ली अपना फर छोड़ती रहती है वैसे ही यह पौधा भी कांटे छोड़ता रहता है। पौधे के समीपवर्ती क्षेत्र में ये कांटे हवा के साथ श्वसन तंत्र में चले जाते हैं और सांस लेने में भारी परेशानी पैदा कर सकते हैं। हैरानी की बात है कि, यह पौधा कुछ जानवरों का भोजन भी है। एक रात्रिचर, लीफ इटिंग बीटल व कई अन्य कीड़े इसे खाते हैं। रैंड लैग्ड पैडमैलन्स (छोटे स्तनपायी जीव) तो एक रात में ही पूरे पेड़ की पत्तियां चट कर सकते हैं।

भारत जोड़ो यात्रा बनाम मोहन भागवत का मुस्लिम प्रबुद्धजनों से संवाद

मोहन भागवत की मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है

- **ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल फारुकी ने कहा कि, मोहन भागवत को ठीक से बताया नहीं गया है कि, किन संगठनों पर मुसलमान विश्वास करते हैं, उन्हें किन-किन लोगों से मिलना चाहिए।**
- **उन्होंने कहा कि, मोहन भागवत जिस तरह राह चलते लोगों से मिल रहे हैं, उससे लगता है कि, वे संवाद को लेकर गंभीर नहीं हैं।**

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों मुस्लिम बुद्धिजीवियों और कुछ मौलानाओं से मुलाकात की। इस संवाद को आर.एस.एस. की मुस्लिम विरोधी छवि को तोड़ने और मुसलमानों के एक तबके को अपने साथ जोड़ने की संघ की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इन्हीं सब मुद्दों पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल फारूकी से सवाल-जवाब हुए।

मोहन भागवत के मुस्लिम बुद्धिजीवियों के साथ हुये संवाद के मामले में जब फारुकी से उनका पक्ष पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, बातचीत और संवाद तो किसी भी समाज के लिए बहुत अच्छी बात है, यह होना चाहिए। युद्ध के दौर में भी संवाद कायम किया जाता है। इसलिए यह एक अच्छी पहल है। वैसे भी संवाद हमारी परंपरा रहा है। कोई भ्रम जैसी स्थिति हो या देश से जुड़े मुद्दे व समस्याएं हों तो उनका समाधान बातचीत से ही होता है। लेकिन यह संवाद किससे हो रहा है और जिससे हो रहा है उसकी क्या अहमियत है, यह भी बहुत मायने रखता है।

जहां तक पहली मुलाकात का ताल्लुक है तो वह बहुत अच्छे लोगों से हुई। इसमें ऐसे लोग शामिल थे जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है। उन्होंने हमेशा हिंदुस्तान के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस मुलाकात में कुछ अच्छे मुद्दे भी उठाए गए जिन पर किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती। इसके अलावा कुछ मौलवियों से भी भागवत मिले। सवाल यह पैदा होता है कि आप राह चलते किसी से मिलेंगे तो उसका कोई मतलब नहीं होता है। मोहन भागवत बहुत नफीस आदमी हैं। शायद, उनको सही तरह से नहीं बताया गया कि उन्हें किन-किन लोगों से मिलना चाहिए? किन संगठनों पर मुसलमान भरोसा करते हैं? इससे, जाहिर होता है कि आप संवाद को लेकर गंभीर नहीं हैं या फिर आपके सलाहकार कमजोर हैं।

जब उनसे पूछा गया कि, भागवत का यह संवाद ऐसे समय हुआ है जब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा पर निकली है और इसका मकसद भी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बढ़ाना बताया गया है इस पर आपकी क्या राय है?

जवाब में उन्होंने कहा कि, हम तो समझते हैं कि, यह राहुल गांधी की कामयाबी है कि कम से कम मोहन भागवत को इस बात का एहसास हुआ कि, उन्हें संवाद करना चाहिए। अभी तक तो लग रहा था कि मुल्क में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है और कहीं कोई समस्या ही नहीं है। बहरहाल, यह पहल अच्छी है लेकिन इस पहल को जारी रखना होगा। पहल करने का दिखावा नहीं होना चाहिए, अच्छा करते हुए नजर भी आना चाहिए।

यह कहना बहुत जल्दबाजी होगा। क्योंकि मुझे कभी-कभी ऐसा भी लगता है जो आर.एस.एस. का मुकाम पहले हुआ करता था, उसमें कमी आई है। मोहन भागवत ने पहल की है। हम उनका साथ देते हैं और उनको मुबारकबाद भी देते हैं। हम चाहते हैं कि यह प्रतीकात्मक न हो। अगर वाकई में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई को साथ कर सामाजिक सौहार्द की जो एक अपनी संस्कृति है, उसको बनाए रखने के लिए पहल की गई तो अच्छी बात है। लेकिन अगर ऐसा नहीं है तो यह धोखा है। मुसलमानों के साथ धोखा है। वक्फ संपत्तियों के सर्वे एवं जांच आदि के सवाल पर उन्होंने कहा कि, वक्फ बोर्ड सेंट्रल वक्फ अधिनियम से संचालित होता है। वक्फ, बाकायदा मुसलमानों की शरीयत का एक अहम हिस्सा है क्योंकि वक्फ का मतलब यह होता है कि अगर मैंने कोई चीज वक्फ (दान) कर दी तो वह वक्फ की संपत्ति होती है। अगर सरकार की जमीन पर वक्फ कुछ करता है तो कान पकड़ लीजिए लेकिन यदि संपत्ति किसी ने दान दी है तो आपको क्या।

नीतीश और लालू ने सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की

मुलाकात के बाद नीतीश ने कहा कि, विपक्षी एकता के मसले पर अभी आने वाले दिनों में सोनिया गांधी से और भी कई मुलाकातें होने वाली हैं

- **पिछले 5 सालों में तीनों दलों, कांग्रेस, जे.डी.यू. और आर.जे.डी. के बीच यह पहली आधिकारिक बैठक हुई। अगर यह बैठक किसी परिणाम तक पहुंचती है तो विपक्ष को एकजुट करने के 2024 के अभियान को भारी बढ़त हासिल हो सकती है।**
- **इसके बाद नीतीश समाजवादी पार्टी, वाई.एस.आर. कांग्रेस, पी.डी.पी. सहित अन्य दलों से भी बहुत जल्द बातचीत कर सकते हैं।**

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव सोनिया गांधी से मिलने के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंचे हैं। विपक्ष की एकता की चर्चा के बीच नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव और सोनिया गांधी के बीच यह पहली मुलाकात है। नेताओं के इस मुलाकात को 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्षी खेमे को एकजुट करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने सोनिया से बात की, हमारा विचार है देश में अनेक दलों को एकजुट करना और मिलकर प्रगति के लिए काम करना। उनके पार्टी अध्यक्ष का चुनाव है इसके बाद आगे की बात होगी।बैठक न केवल विपक्षी खेमे को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि कई अन्य कारणों से भी अहम है क्योंकि लालू प्रसाद यादव विपक्ष की एकता को मजबूत करने के लिए सोनिया गांधी से आश्वासन मांगेंगे। ए.एन.आई. की रिपोर्ट में कहा गया है कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं से संपर्क करने के लिए कांग्रेस प्रमुख की राय जान सकते हैं और उनकी हामी ले सकते हैं। पिछले पांच सालों में तीन दलों कांग्रेस, जदयू और राजद के प्रमुख के बीच यह पहली आधिकारिक बैठक है।

आंध्र प्रदेश में क्लिनिक में भीषण आग

तिरुपाति, 25 सितम्बर। आंध्र प्रदेश के तिरुपति के निकट भगत सिंह नगर में तीन मंजिले इमारत में रविवार को तड़के भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आने से एक डॉक्टर और उसके बेटे व बेटी की मौत हो गई। इसके अलावा दो अन्य झुलस गए। पुलिस ने बताया कि इमारत की पहली मंजिल में करीब साढ़े चार बजे आग लगी। इमारत के भूतल पर डॉक्टर का एक क्लिनिक भी है।तीनों मृतकों की पहचान हो गई है। इस घटना में डॉ रविशंकर रेड्डी और उनके बेटे सिद्धू (12) व बेटी कार्तिका (6) की जान गई है। तीनों को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर भी किया गया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। आग की चपेट में आने से तीनों ही काफी हद तक जल गए थे। ऐसे में उन्हें बचाया नहीं जा सका।

मौके पर पहुंचे दमकल ने डॉक्टर की पत्नी डॉक्टर अनंत लक्ष्मी और मां रामासुब्बम्मा को बचाया।

यू.एन. में भारत की स्थाई सदस्यता की दावेदारी और मजबूत हुई

रूस, यूक्रेन और अमेरिका सहित कई देशों ने भारत को स्थाई सदस्य बनाने का समर्थन किया

- **रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि, भारत और ब्राजील को यू.एन. में स्थाई सदस्य के रूप में जगह मिलनी चाहिए।**

न्यूयॉर्क, 25 सितम्बर। संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस ने फिर एक बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए भारत का समर्थन किया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, ''हम अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के प्रतिनिधित्व के माध्यम से सुरक्षा परिषद को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने की संभावना देखते हैं। विशेष रूप से भारत और ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में जगह मिलनी चाहिए।

इससे पहले 31 अन्य देशों के साथ भारत ने सुधारों पर एक संयुक्त बयान में कहा था कि स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में सुरक्षा परिषद का विस्तार होना चाहिए। साथ ही इसके काम करने के तरीकों में भी सुधार लाने की वकालत की गई थी।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने जापान और जर्मनी को भी स्थाई सदस्य बनाने की बात कही थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में संबोधन के दौरान भी उन्होंने सुरक्षा परिषद में सुधार की बात दोहराई थी। बाइडन ने कहा कि सुरक्षा परिषद को और समावेशी बनाया जाए, ताकि यह आज की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सके। वीटो को लेकर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विशेष अथवा विषम परिस्थितियों में ही होना चाहिए।

भगत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेनानियों से प्रेरणा लेकर, उनके आदर्शों पर चलते हुए उनके सपनों का भारत बनाना है और यही, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होती है। शहीदों के स्मारक, उनके नाम पर स्थानों और संस्थानों के नाम हमें कर्तव्य के लिए प्रेरणा देते हैं। अभी कुछ दिन पहले ही देश ने कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति की स्थापना के ज़रिये भी ऐसा ही एक प्रयास किया है और अब शहीद भगत सिंह के नाम से चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम इस दिशा में एक और कदम है।

उन्होंने कहा मैं चाहूँगा, अमृत महोत्सव में हम जिस तरह स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े विशेष अवसरों पर सेलिब्रेट कर रहे हैं उसी तरह 28 सितम्बर को भी हर युवा कुछ नया प्रयास अवश्य करे।

पर्यवेक्षकों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलग ही नया समीकरण निकल कर सामने आएगा। इस पूरा घटनाक्रम के बाद में अब सारी नजरें दिल्ली पर टिक गई है जहां कि कांग्रेस आलाकमान विधायकों की राय जानने के बाद में फैसला करेगा कि आखिरकार राजस्थान के मामले में होना क्या है।

जबरन धर्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गंगाधर की आर्थिक दिक्कतों का पता चला , तो उसे पैसे का लालच दिया गया। गंगाधर के एक दोस्त अत्तावर रहमान उसे वित्तीय सहायता प्रदान करने के बहाने बेंगलुरु के बनशंकरी स्थित एक मस्जिद में ले गया जहां एक अन्य आरोपी अजीज साब से मिलवाया, जिसने उसे इस्लाम की शिक्षा दी। गंगाधर को ये आरोपी बेंगलुरु की कई मस्जिदों में भी ले गए और बाद में उसका खतना किया। पीड़ित की इच्छा के खिलाफ बीफ खाने से इनकार करने पर उसकी पिटाई भी की गयी।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने गंगाधर को धमकी दी कि अगर वह एक साल में तीन हिंदुओं का धर्मांतरण करने में विफल रहता है, तो उसके पास अवैध हथियार रखने के लिए उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी जायेगी।

प्रदेश में रविवार को 68 नए करोना संक्रमित मिले

जयपुर और जोधपुर में 12-12 नए मरीज सामने आए हैं

- **राज्य में लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर सात सौ से भी कम रह गए हैं।**
- **इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 682 रह गए हैं। राज्य में रविवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 सितम्बर । प्रदेश में रविवार को 68 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं 133 रोगी ठीक हुए हैं। राज्य में लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर सात सौ से भी कम रह गए हैं। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और गिरावट आई है। इसके चलते रविवार को 16 जिलों में 68 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को इनकी संख्या 111 रही थी। इधर आज राजधानी जयपुर और जोधपुर में 12-12 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा कोटा में 8, सिरोही में 6, पाली व चित्तौड़गढ़ में 5-5, उदयपुर में 4, सवाई माधोपुर, प्रतापगढ़, बूंदी, बीकानेर, बांसवाड़ा, अलवर व अजमेर में 2-2 तथा भरतपुर और जालोर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में जांच के लिए 9868 सैम्पल लिए गए।

प्रदेश में रविवार को भी दोगुना के करीब रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 133 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 682 रह गए हैं। राज्य में रविवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9639 लोगों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को 10 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 2 नए मरीज दुर्गापुरा में पाए गए हैं। इसके अलावा चांदपोल, जगतपुरा, जोबनेर, मालवीय नगर, मानसरोवर, पुरानी बस्ती, सांगानेर और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 31 मरीजों के रिकवर होने से 158 एक्टिव केस रह गए हैं।

गुजरात में मुकाबला आप बनाम भाजपा हो चला है?

- **दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस सप्ताह की शुरुआत में गुजरात के वड़ोदरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उस समय विचित्र स्थिति देखने को मिली, जब एक तरफ कुछ युवाओं का समूह मोदी-मोदी के नारे लगाता दिखा, जबकि दूसरी तरफ आप समर्थकों ने केजरीवाल-केजरीवाल के नारे लगाए।**

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस सप्ताह की शुरुआत में गुजरात के वडोदरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उस समय विचित्र स्थिति देखने को मिली, जब एक तरफ कुछ युवाओं का समूह मोदी-मोदी के नारे लगाता दिखा, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) समर्थकों ने केजरीवाल-केजरीवाल के नारे लगाए। भाजपा शासित गुजरात में इस साल के अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं।

केजरीवाल ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भाजपा के बारे में तो स्पष्ट है कि वे लोगों को लाकर मेरे खिलाफ नारे लगवाएं क्योंकि इस बार उन्हें बहुत नुकसान होने वाला है। दिलचस्प बात यह है कि जब राहुल गांधी आए तो उन्होंने उनके (राहुल) खिलाफ नारे नहीं लगाए। चुनाव नजदीक आने के बीच राजनीतिक पर्यवेक्षकों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले सर्वेक्षणकर्ताओं का कहना है कि केजरीवाल गुजरात चुनाव को भाजपा बनाम आप के नैरेटिव में बदलने में कामयाब रहे हैं, क्योंकि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस अधिक सक्रिय नजर नहीं आ रहा है।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि केजरीवाल और आप इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान इस विमर्श से चुनावी लाभ हासिल करने में कामयाब होंगे।

गुजरात में इस बात पर राजनीतिक विशेषज्ञ साफ टिप्पणी कर रहे हैं कि, आम आदमी पार्टी के आक्रामक चुनाव अभियान और कांग्रेस का अब तक अधिक सक्रिय नजर नहीं आना, केजरीवाल के लिए गुजरात चुनाव को भाजपा बनाम आप के विमर्श में बदलने में मददगार साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि आप भी वही रणनीति अपना रही है जो भाजपा चुनाव के दौरान अपनाती है, जिसके तहत प्रतिद्वंद्वियों से तकरार, पलटवार और आक्रामक चुनाव प्रचार अभियान, प्रवक्ताओं और सोशल मीडिया के जरिये मतदाताओं तक वांछित संदेश भेजना शामिल है। पिछले महीने, आप ने अपने चुनाव अभियान को गति देने के लिए 1,100 से अधिक सोशल मीडिया वॉरियर्स को नियुक्त किया।

चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी सी-वोटर के संस्थापक यशवंत देशमुख ने कहा कि, एक तरफ जहां केजरीवाल कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उनकी पार्टी गुजरात में आक्रामक रूप से प्रचार कर रही है, वहीं कांग्रेस की प्राथमिकता स्पष्ट नहीं है क्योंकि पार्टी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त है।

देशमुख ने कहा कि वे इतनी बड़ी गतिविधि (यात्रा) में व्यस्त हैं और सबसे महत्वपूर्ण राज्य गुजरात से चूक रहे हैं, जहां वे 27 साल से सत्ता से बाहर हैं।

गहलोत ने कहा - अगला सी.एम. वो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीडिया में कुछ विधायकों के इस्तीफे की चर्चायें चल रही हैं, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी.जोशी की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है।

वही कहने को तो संयम लोढ़ा की ओर से कहा है कि उनकी बात नहीं सुनी जाने पर सरकार गिर सकती है। वही मंत्री गोविंद मेघवाल ने भी उनकी बात का समर्थन किया है, लेकिन क्या विधायक सरकार गिराकर सवा साल से पहले ही चुनाव में जाने को तैयार हैं। यह बात महत्वपूर्ण होगी या फिर यह विधायक सिर्फ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास अपने नंबर बढवाने या आलाकमान पर दबाव बनाने के लिए ही बयानबाजी कर रहे हैं।

दरअसल मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हो रही बैठक के बाहर बयान तो 102 विधायकों को लेकर दिए जा रहे हैं, लेकिन असल में धारीवाल के निवास पर आने वाले विधायकों की संख्या 50 के आसपास ही है। वहीं कुछ विधायक सीधे मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक के लिए पहुंच गए हैं। हालांकि दबाव बनाने के लिए हो रही इस बैठक के चलते विधायक दल की बैठक में देरी हो रही है।

इस बीच विधायक दल की बैठक से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ऐसी बैठकों में एक लाइन का रिजोल्यूशन पास करते हैं कि जो हाईकमान तय करेगा, वही हमें मंजूर होगा। इधर पड़ोसी मंत्री राजेंद्र गुढ़ा शांति धारीवाल के बंगले के गेट से वापस लौट गए। उन्होंने कहा कि यहां 101 विधायक नहीं हैं। गुढ़ा ने कहा कि बहुमत के लिए 101 विधायक चाहिए, इसके बिना सरकार अल्पमत में होती है। यहां बैठक में 101 विधायक नहीं हैं, इसलिए मैं नहीं गया। विधायक वाजिब अली, खिलाड़ी लाल बैरवा और गिर्राज सिंह मलिंगा भी गुढ़ा के साथ हैं और बैठक में नहीं गए। वही 25 से 30 विधायक सीधे मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक में पहुंच गए।

इस मुताबिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक लाइन का प्रस्ताव पढ़ सकते हैं कि फैसला कांग्रेस आलाकमान पर छोड़ा जाता है। इसका अनुमोदन पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कर सकते हैं। इसी संकेत के रूप में मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि अशोक गहलोत क्लास के मॉनिटर नहीं है, जिन्हें कि यूं ही बदलकर किसी को सी.एम. बना दें। बीजेपी ने अगर तोड़फोड़ कर दी तो क्या होगा ? सरकार बचाने में जिन 102 विधायकों मदद की थी, उनमें से ही सी.एम. बने। वहीं यह भी कहा कि आलाकमान जिस नाम को तय करेगा, वह हमें मंजूर होगा।

कांग्रेस आलाकमान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ विधायक जहां बस में सवार होकर आते हैं। वहीं कुछ मंत्री और विधायक अपनी गाड़ियों से पहुंचते हैं। सभी विधायकों को एक पन्ने में लिख कर दिया गया है कि मैं स्वेच्छा से इस्तीफा देता हूं।

अब देखना है कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद, जिसमें कि कांग्रेस आलाकमान को बड़ी चुनौती राजस्थान से मिली है। अब इस चुनौती से किस तरह से कांग्रेस आलाकमान निपटता है।

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बाद में ना तो प्रभारी महासचिव अजय माकन और ना ही मलिकार्जुन खड़गे का कोई बयान आया है। वही अशोक गहलोत की ओर से भी अभी इस मामले को लेकर कोई बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में यह लगता है कि यह पूरा मामला लंबा खिंच सकता है।

ओमप्रकाश चौटाला की रैली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेने का वादा किया लेकिन पूरा नहीं किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, पिछले चुनावों के दौरान, वे (भाजपा) हमारे उम्मीदवारों को हराने की कोशिश कर रहे थे। केंद्र ने पिछड़े राज्य के लिए जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। बिहार में आज 7 पार्टियां एक साथ काम कर रही हैं। उनके पास 2024 का चुनाव जीतने का कोई मौका नहीं है।

नीतीश कुमार ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस और वाम दलों समेत सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का यह मुख्य मोर्चा यह सुनिश्चित करेगा कि 2024 के आम चुनाव में भगवा पार्टी को बुरी तरह शिकस्त मिले। अगर सभी गैर-भाजपा दल एकजुट हो जाएं, तो वे देश को तबाह करने के लिए काम कर रहे लोगों से छुटकारा दिला सकते हैं।

बिहार सीएम ने कहा, मैं कांग्रेस समेत सभी दलों से एक साथ आने की अपील करता हूं, तभी 2024 के लोकसभा चुनाव में वह (भाजपा) बुरी तरह हारेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू और मुसलमानों के बीच कोई लड़ाई नहीं है और भाजपा अशांति पैदा करना चाहती है। कहा, मेरी बस एक ही इच्छा है कि हम राष्ट्रीय स्तर पर साथ आएं...हमें और दलों को अपने साथ लाने की आवश्यकता है।

रैली रविवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित हुई। अधिकांश नेता इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली से पहुंचे। विशेष विमान से आने वाले नेता नजदीकी सिरसा हवाई अड्डे पर उतरें और यहां से करीब 20 मिनट की दूरी पर स्थित रैली स्थल पर पहुंचे।

हालांकि, शनिवार को लगातार बारिश से पार्टी के वरिष्ठ नेता चिंतित दिखे और उन्हें कार्यक्रम स्थल के पास से पानी बहाते देखा गया। हालांकि वे दावा कर रहे थे कि कार्यक्रम स्थल पानी से अप्रभावित रहेगा। पार्टी ने रविवार को भारी बारिश की स्थिति में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कुछ अतिरिक्त इंतजाम किए।

आई.एन.डी. पार्टी के संस्थापक देवीलाल की जयंती मनाने के लिए हर साल सम्मान दिवस आयोजित करता है। जिन्हें भारतीय राजनीति के ताऊ के रूप में भी जाना जाता है। रैली में शामिल होने वालों में तेलंगाना के सी.एम. के चंद्रशेखर राव, राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल, मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह शामिल हो रहे हैं। डी.एम.के. सांसद कनिमोझी करुणानिधि और तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता। कार्यक्रम के लिए बीरेंद्र सिंह सहित हरियाणा के कुछ वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908